स्नातकोत्तर संस्कृत विभागः

नीलाम्बर - पीताम्बर विश्वविद्यालयः, मेदिनीनगर, पलामू

Ref. No.: SNK/001/22 Date: 23/11/2022

Member of Board of Studies of NEP Under Graduate Syllabus as per guideline of Nilamber Pitamber University, Medininagar, Palamu

1. **Chairman :-**

   Dr. Vinod Kumar Pathak
   Head, University Department of
   Sanskrit, N. P. University, Medininagar

   Pathak 23/11/22

2. **Members :-**

   i. Dr. L. N. Mishara
   S. S. J. S. N. College,
   Garhwa

   Mishra 23/11/22

   ii. Sri Manoj Kumar Pathak
   S. S. J. S. N. College,
   Garhwa

   Pathak 23.11.22

Pathak 23/11/22

(Dr. Vinod Kumar Pathak)
H. O. D.
P.G. Dept. of Sanskrit
N. P. University
Medininagar, Palamu

H. O. D.
PG Department of Sanskrit
N. P. University

FYUGP

SANSKRIT MAJOR/

RESEARCH

FOR UNDER GRADUATE COURSES UNDER N. P. UNIVERSITY

Implemented Academic Session - **2022-2026**

SEMESTER I

I. MAJOR COURSE –MJ 1:

(Credits: Theory-06)

Marks: 25 (5 Attd. + 20 SIE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) = 100   Pass Marks: Th (SIE + ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा (SIE 20+5=25 marks)

20 अंको की मध्य छमाही परीक्षा मे प्रश्नो के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमे दो प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में [illegible] किसी एक 10 अंको के **वर्णनात्मक प्रश्न** का उत्तर देना होगा।

उपस्थिति आधारित पाँच अंक देने का प्रारूप: (उपस्थिति 45% तक, 1 अंक; 45%< उपस्थिति<55%, 2 अंक; 55%< उपस्थिति <65%, 3 अंक; 65%< उपस्थिति <75%, 4 अंक; 75%< उपस्थिति, 5 अंक)

छमाही परीक्षा (ESE 75 marks)

प्रश्नो के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमे तीन प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 व 3 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** से 15 अंको के छ में से किन्हीं चार **वर्णनात्मक प्रश्नों** के उत्तर देने होंगे।

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा मे पूछे गए प्रत्येक प्रश्न मे उप–विभाजन हो सकते हैं।

संस्कृतपद्यसाहित्य एवं व्याकरण(अनुवादादि ,सन्धि प्रकरण)

सैद्धान्तिक: 90 व्याख्यान

उद्देश्य –

1. पाठ्यक्रम को पद्यसाहित्य से प्रारम्भ कर रोचकता का सन्निवेश करना|
2. लक्ष्य ग्रन्थों की अध्ययन विधि का ज्ञान देना |
3. विषय के प्रस्तुतीकरण का ज्ञान कराना |
4. व्यक्तित्व में कर्तव्यनिष्ठा का सन्निवेश करना |
5. व्याकरण-शास्त्र का सामान्य परिचय देना |
6. संस्कृत भाषा लेखन व पाठन का अभ्यास कराना |

अवबोध –

1. लक्ष्य ग्रन्थों की अध्ययन विधि से छात्र परिचित हो सकेंगे (अलंकार, छन्द, व्याकरणिक टिप्पणी, अनुवाद, अन्वय)
2. सम्भाषण-कौशल एवं लेखन की क्षमता विकसित होगी |
3. उत्तरदायित्वों के निर्वहन में सक्षम हो सकेंगे |
4. संस्कृत के अध्ययन में सन्धिविच्छेद कर दीर्घ वाक्यों को सरल बना सकेंगे |

प्रस्तावित संरचना

ईकाई सं० – 1 पद्य साहित्य का उद्भव एवं विकास

* रघुवंशम्	प्रथम सर्ग (1 - 25 श्लोक)	10 व्याख्यान
* किरातार्जुनीयम्	प्रथम सर्ग (1 से 25 श्लोक)	10 व्याख्यान
* पूर्व मेघदुतम्	(1-25 श्लोक)	10 व्याख्यान

23.11.22   23/11/22   23/11/22

* शिशुपालवधम् प्रथम सर्ग (1-25 श्लोक) 10 व्याख्यान

ईकाई सं० – 2 संज्ञा प्रकरण

* माहेश्वर सूत्र एवं प्रत्याहारों का परिचय मात्र 10 व्याख्यान

पारिभाषिक शब्द –

प्रातिपादिक, सम्प्रसारण, संहिता, गुण, वृद्धि, नदी, घि, उपधा, अपृक्त, गति, पद, विभाषा, सवर्ण, टि, प्रगृह्य, सर्वनाम स्थान, निष्ठा, लोप |

* सन्धि प्रकरण (अच् सन्धि) लघुसिद्धान्त कौमुदी के अनुसार 10 व्याख्यान

* शब्द रूप – राम, लता, नदी, गुरु, मधु, साधू, सर्व, सखि, * धातु रूप – भू, अस्, कृ 5 व्याख्यान

* व्याकरण शास्त्र का उद्भव व विकास 5 व्याख्यान

* अनुवाद – संस्कृत से हिन्दी तथा हिन्दी से संस्कृत में | 10 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें -:

1. रघुवंश महाकाव्य, मोतीलाल बनारसीदास, धरानन्द मिश्र
2. रघुवंश महाकाव्य, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, हरगोविन्द शास्त्री
3. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)– पं० वी० एस० मुसलगांवकर आगरा, विनोद पुस्तक मन्दिर
4. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)– अखिलेश पाठक, लखनऊ, प्रकाशन केन्द्र
5. शिशुपालवधम् – बद्रीनारायण मिश्र, चौखम्बा सुरभारती, प्रकाशन
6. पूर्व मेघदूतम् – शेषराज रेग्मी, चौखम्बा विद्याभवन
7. लघुसिद्धान्त कौमुदी – श्रीघरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
8. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका – चक्रधर 'नौटियाल'
9. व्याकरणशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास – श्रीरमाकान्त मिश्र, व्याकरण (हल् एवं विसर्ग सन्धि अनुवादादि)
10. रचनानुवाद कौमुदी – डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन

23.11.22 23/11/22 23/11/22

SEMESTER II

I. MAJOR COURSE- MJ 2: (Credits: Theory-06)

Marks: 25 (5 Attd. + 20 SIE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) = 100 **Pass Marks: Th (SIE + ESE) = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा (SIE 20+5=25 marks):

*20 अंको की मध्य छमाही परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमे दो प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में दो में से किसी एक 10 अंको के **वर्णनात्मक प्रश्न** का उत्तर देना होगा।*

उपस्थिति आधारित पाँच अंक देने का प्रारूप: (उपस्थिति 45% तक, 1 अंक; 45%< उपस्थिति <55%, 2 अंक; 55%< उपस्थिति <65%, 3 अंक; 65%< उपस्थिति <75%, 4 अंक; 75%< उपस्थिति , 5 अंक)

छमाही परीक्षा (ESE 75 marks):

*प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें तीन प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 व 3 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** से 15 अंको के छः में से किन्हीं चार **वर्णनात्मक प्रश्नों** के उत्तर देने होंगे।*

***नोट** : सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*

संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं व्याकरण

(सन्धि प्रकरण – हल् एवं विसर्ग सन्धि एवं अनुवादादि)

सैद्धान्तिक: 90

व्याख्यान

उद्देश्य -

1. अपनी प्राचीन सनातन परम्परा से परिचित कराना एवं छात्रों में आत्मगौरव का भाव जागृत करना |
2. महापुरुषों के जीवनचरित से छात्रों के व्यक्तित्व का विकास करना एवं समस्याओं के समुचित निदान के उपाय बताना |
3. संस्कृत लेखन-कौशल एवं सम्भाषण की क्षमता विकसित करना |

अवबोध –

1. स्वयं व राष्ट्र के प्रति आत्मगौरव का भाव जागृत होगा |
2. छात्रों का व्यक्तित्व प्रभावशाली होगा |
3. अपनी भाषा एवं संस्कृति में आस्था दृढ़ होगी |
4. अनुवाद की क्षमता विकसित होगी |

प्रस्तावित संरचना

लौकिक साहित्य का इतिहास

रामायण – सामान्य-परिचय, काल-निर्धारण, महत्व, उपजीव्यता, रामायण कालीन समाज और संस्कृति | 10 व्याख्यान

महाभारत – सामान्य-परिचय, काल-निर्धारण, महत्व, उपजीव्यता, महाभारत का विकासक्रम एवं महाभारत का पौर्वापर्य | 10 व्याख्यान

पुराण – पुराणों का परिचय, परिभाषा, लक्षण, महापुराण, उपपुराण, पौराणिक सृष्टि-विज्ञान | 10 व्याख्यान

कतिपय पुराणों का सामान्य परिचय – श्रीमद्भागवत्, अग्नि, विष्णु, गरुड़ एवं मत्स्य पुराण |

23.11.22 23/11/22 23/11/22

महाकाव्यों का उद्भव एवं विकास – कुमारसम्भवम्, नैषधीयचरितम्, सौन्दरनन्दम्, बुद्धचरितम्, भट्टिकाव्यम् एवं जानकीहरणम् | 15 व्याख्यान

सन्धि प्रकरण – हल् एवं विसर्ग सन्धि (लघु सिद्धान्त-कौमुदी के अनुसार) 15 व्याख्यान

अनुवाद – हिन्दी से संस्कृत एवं संस्कृत से हिन्दी | 25 व्याख्यान

शब्दरूप – अस्मद्, युष्मद्, किम् | **धातुरूप** – अद्, दिव्, सेव्, लभ् | 05 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें -:

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदानिकेतन, वाराणसी
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' , चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
3. लघुसिद्धान्त कौमुदी – श्रीघरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
4. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका – चक्रधर 'नौटियाल'

23.11.22 23/11/22 23/11/22

COURSES OF STUDY FOR **INTRODUCTORY/ MINOR ELECTIVE** FYUGP IN **"SANSKRIT"**

SEMESTER I/ II/ III **INTRODUCTORY REGULAR COURSE** **1 Paper**

I. INTRODUCTORY REGULAR COURSE (IRC)

(Credits: Theory-03)

- All Four Introductory & Minor Papers of Sanskrit to be studied by the Students of **Other than Sanskrit Major.**
- Students of **Sanskrit Major** must Refer Content from the **Syllabus of Opted Introductory & Minor Elective Subject**.

Marks : 100 (ESE 3Hrs) =100 **Pass Marks Th ESE = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

छमाही परीक्षा (ESE 100 marks):

*प्रश्नों के दो समूह होगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य** है जिसमे तीन प्रश्न होगे। **प्रश्न संख्या 1** मे दस **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होगे। **प्रश्न संख्या 2 व 3 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** से 20 अंको के छः में से किन्हीं चार **वर्णनात्मक प्रश्नों** के उत्तर देने होगे।*

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा मे पूछे गए प्रत्येक प्रश्न मे उप–विभाजन हो सकते है।

परिचयात्मक संस्कृत

सैद्धान्तिक: 30 व्याख्यान

उद्देश्य –

1. छोटे एवं रोचक कथाओं के माध्यम से कर्त्तव्यबोध कराना |
2. अपनी परम्परा एवं संस्कृति को रामायण, महाभारत पुराणादि के माध्यम से अवगत कराना |
3. संस्कृत भाषा में निहित ज्ञान वैभव से परिचित कराना |

अवबोध –

1. छात्रों में लोककल्याण की भावना जागृत होगी |
2. पञ्चतन्त्र और हितोपदेश के माध्यम से छात्रों का आचरण सुधरेगा |
3. रामायण महाभारत, पुराण आदि ग्रन्थों का परिचय प्राप्त कर आत्मगौरव का भाव जागृत होगा एवं अच्छे संस्कारों का वपन हो सकेगा |

प्रस्तावित संरचना

इकाई सं० 1	हितोपदेश (मित्रलाभ)	10 व्याख्यान
इकाई सं० 2	पञ्चतन्त्र (अपरीक्षितकारकम्)	10 व्याख्यान
इकाई सं० 3	संस्कृत साहित्य का इतिहास – रामायण, महाभारत, पुराण एवं गद्य, नाट्य , पद्य साहित्य का सामान्य परिचय	25 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें -:

1. हितोपदेश – विश्वनाथ शर्मा
2. पञ्चतंत्र – श्यामचरण पाण्डेय
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला

23.11.22 23/11/22 23/11/22